चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक जागरण.....

दिनांक ..06-10-2020....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....02-06.....

लाजवाब

एचएयू ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण देना किया शुरू

पराली जलाएं नहीं, मशरूम उगाएं, उत्पादन में हरियाणा अव्वल

जागरण संवाददाता, हिसार: फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर किसानों के मन में हमेशा यही प्रश्न रहता है कि पराली जलाएं न तो क्या करें क्योंकि किसानों में पराली को लेकर कई भ्रांतियां हैं। मगर वह पराली का प्रयोग मशरूम (खुंब) उत्पादन में कर सकते हैं।

इस काम में एचएयू मदद कर रहा है। पराली से मशरूम के लिए कंपोस्ट बनाई जा सकती है। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और वातावरण भी दूषित नहीं होगा। इसको लेकर एचएयू खुंब उत्पादन का प्रशिक्षण भी दे रही है। यह उपाय किया तो पराली का समाधान तो निकलेगा साथ ही आय भी बढ़ेगी।

मशरूम उत्पादन के लिए विज्ञानी बताते हैं यह समय सबसे उपयुक्त है। खास बात यह है कि सीजनल मशरूम उत्पादन में हरियाणा पहले स्थान पर हिमाचल प्रदेश दूसरे तो पंजाब तीसरे स्थान पर आ गया है। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलसचिव डा. अजय यादव बताते हैं कि वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो र है। इसके अलावा यहां की जलव ढींगरी मशरूम, दूधिया मशरू शिटाके मशरूम व धान के पुआ की मशरूम के लिए अनुकूल है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण लेकर शुरू करें काम

अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय का पौध रोग विभाग मशरूम उत्पादन तकनीक विषय तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण दे रहा है। उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। किसान मशरूम से अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं।

बटन मशरूम लागत से दो गुना देता है फायदा

हरियाणा में अधिकांश रूप से बटन मशरूम उगाया जाता है। बटन मशरूम को उगाने के लिए पराली की कंपोस्ट का प्रयोग कर सकते हैं। फिर मशरूम उत्पादन के बाद इस कंपोस्ट को खेतों में भी प्रयोग कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के लिए अक्टूबर में झोंपड़ी में इसे लगाया जाता है। अक्टूबर से फरवरी तक यह क्रॉप देता है। विज्ञानी बताते हैं कि किसान लागत से दो गुना फायदा इसमें कर सकते हैं। हरियाणा के कई किसानों ने इस काम करना शुरू कर दिया है।

67 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

इस प्रशिक्षण शिविर के संयोजक डा. सतीश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 67 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण में डा. राकेश चुघ ने मशरूम उत्पादन के बाद बची हुई खाद को खेतों तथा बागों में इस्तेमाल किए जाने से संबंधित जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला .....

दिनांक ..06-10-2020..पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-4.....

फसल अवशेष से बनाएं कंपोस्ट खाद : डॉ. सहरावत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौधरोग विभाग की तरफ से खुंब उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि ऑनलाइन किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कंपोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि किसान खुंब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अजय यादव ने कहा कि हरियाणा मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**05.10.2020**	--	--

कृषि अवशेष जलाने की बजाय खुम्ब उत्पादन में करें प्रयोगः डॉ. सहरावत

पल पल न्यूजः हिसार, 5 **अक्टूबर**। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। अनुसंधान निदेशक ने कहा कि किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने किसानों की सुविधा के लिए बाजवा मशरूम फार्म कुरूक्षेत्र से एमओयू भी साइन किया है, जिसके तहत किसान इस संबंध में अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय यादव ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो रहा है। इसके अलावा यहां की जलवायु ढींगरी खुम्ब, दूधिया खुम्ब, शिटाके खुम्ब व धान के पुआल की खुम्ब के लिए अनुकूल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**05.10.2020**	--	--

फसल अवशेष जलाने की बजाए मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाएं किसान : वैज्ञानिक

हिसार/05 अक्टूबर/रिपोर्टर

किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ौतरी होगी और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। अनुसंधान निदेशक ने कहा कि किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने किसानों की सुविधा के लिए बाजवा मशरूम फार्म कुरूक्षेत्र से एमओयू भी साइन किया है, जिसके तहत किसान इस संबंध में अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय यादव ने कहा कि हरियाणा राज्य मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो रहा है। इसके अलावा यहां की जलवायु ढींगरी खुम्ब, दूधिया खुम्ब, शिटाके खुम्ब व धान के पुआल की खुम्ब के लिए अनुकूल है। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर खुम्ब को व्यावसाय के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया। शिविर के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 67 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण में डॉ. राकेश चुघ ने मशरूम उत्पादन के बाद बची हुई खाद को खेतों तथा बागों में प्रयोग किए जाने संबंधी जानकारी दी। इनके अलावा डॉ. जगदीप सिंह, प्रगतिशील किसान अमृत बाजवा ने भी प्रतिभागियों को खुम्ब के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	**05.10.2020**	--	--

मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

कृषि अवशेष जलाने की बजाय खुम्ब उत्पादन में करें प्रयोग : डॉ. सहरावत

पांच बजे न्यूज

हिसार। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होगा।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। अनुसंधान निदेशक ने कहा कि किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने किसानों की सुविधा के लिए बाजवा मशरूम फार्म कुरूक्षेत्र से एमओयू भी साइन किया है, जिसके तहत किसान इस संबंध में अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय यादव ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो रहा है। इसके अलावा यहां की जलवायु ढींगरी खुम्ब, दूधिया खुम्ब, शिटाके खुम्ब व धान के पुआल की खुम्ब के लिए अनुकूल है।

67 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर खुम्ब को व्यावसाय के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण शिविर के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 67 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण में डॉ. राकेश चुघ ने मशरूम उत्पादन के बाद बची हुई खाद को खेतों तथा बागों में प्रयोग किए जाने संबंधी जानकारी दी। इनके अलावा डॉ. जगदीप सिंह, प्रगतिशील किसान अमृत बाजवा ने भी प्रतिभागियों को खुम्ब के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**05.10.2020**	--	--

कृषि अवशेष जलाने की बजाय खुम्ब उत्पादन में करें प्रयोग : डॉ. सहरावत

मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होगा। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। अनुसंधान निदेशक ने कहा कि किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद, जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर खुम्ब को व्यावसाय के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण शिविर के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 67 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**05.10.2020**	--	--

कृषि अवशेष जलाने की बजाय खुम्ब उत्पादन में करें प्रयोग : डॉ. सहरावत

मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। अनुसंधान निदेशक ने कहा कि किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने किसानों की सुविधा के लिए बाजवा

मशरूम फार्म कुरूक्षेत्र से एमओयू भी साइन किया है, जिसके तहत किसान इस संबंध में अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं।

महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय यादव ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो रहा है। इसके अलावा यहां की जलवायु ढींगरी खुम्ब, दुधिया खुम्ब, शिटाके खुम्ब व धान के पुआल की खुम्ब के लिए अनुकूल है।

67 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर खुम्ब को व्यावसाय के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण शिविर के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 67 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण में डॉ. राकेश चुघ ने मशरूम उत्पादन के बाद बची हुई खाद को खेतों तथा बागों में प्रयोग किए जाने संबंधी जानकारी दी। डॉ. जगदीप सिंह, प्रगतिशील किसान अमृत बाजवा ने भी प्रतिभागियों को खुम्ब के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....हरिभूमि....

दिनांक ..06-10-2020... पृष्ठ संख्या.....9..... कॉलम.....6-8.....

आत्मनिर्भरता के लिए एबिक से जुड़ें युवा : डॉ. सीमा

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया आइडिया है, तो इसके लिए आप हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड द्वारा संचालित एबिक सेंटर से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एबिक सेंटर ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर होगी। इसके लिए हरियाणा तथा समीपवर्ती राज्यों के प्रगतिशील किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रखने वाले युवा बुद्धिजीवियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि कृषि क्षेत्र व उससे जुड़े अन्य कुछ और क्षेत्र हैं जैसे कि नर्सरी, मैन्युफैक्चरिंग, कृषि व्यापार एवं कृषि का बचाव, मशरूम फार्मिंग, बायो पेस्टिसाइड्स उत्पादन, क्वालिटी एश्योरेंस, कृषि से जुड़ी नई किस्में, ऑर्गेनिक खेती, टिशु कल्चर, मार्केटिंग आदि के लिए इच्छुक आवेदक ऑनलाइन अपना आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

40 से अधिक स्टार्टअप को कर चुका है प्रोत्साहित

नोडल ऑफिसर ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य कृषि व कृषि से संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर चुका है और यह प्रतिवर्ष अपनी क्षमता को बढ़ा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर, अमर उजाला, पंजाब केसरी

दिनांक 06-10-2020.....पृष्ठ संख्या 4, 4, 2......कॉलम 1-2, 4, 7....

आइडिया देने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर

हिसार | अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो इसके लिए आप चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड द्वारा संचालित एबिक सेंटर से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एबिक सेंटर ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर होगी। नोडल ऑफिसर ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य कृषि व कृषि से संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है।

आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्तूबर

एचएयू के एबिक सेंटर की तरफ से हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के उन्नतिशील किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रखने वाले युवा बुद्धिजीवियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 अक्तूबर है। इच्छुक आवेदककर्ता ऑनलाइन अपना आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य कृषि व कृषि से संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है।

आत्मनिर्भरता के लिए एबिक से जुड़ें युवा : डा. सीमा

हिसार, 5 अक्तूबर (ब्यूरो): अगर आपके पास कोई बिजनैस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो इसके लिए आप चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड द्वारा संचालित एबिक सैंटर से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एबिक सैंटर ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्तूबर होगी। इसके लिए हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के उन्नतिशील किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रखने वाले युवा बुद्धिजीवियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	05.10.2020	--	--

आत्मनिर्भरता के लिए एबिक से जुड़ें युवा

एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने मांगे आवेदन, अंतिम तिथि 25 अक्तुबर

टुडे न्यूज़ | हिसार

अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो इसके लिए आप चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड द्वारा संचालित एबिक सेंटर से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एबिक सेंटर ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्तुबर होगी। इसके लिए हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के उन्नतिशील किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रखने वाले युवा बुद्धिजीवियों से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र व उससे जुड़े अन्य कुछ और क्षेत्र हैं जैसे कि नर्सरी, मैन्युफैक्चरिंग, कृषि व्यापार एवं कृषि का बचाव, मशरूम फार्मिंग, बायो पेस्टिसाइड्स उत्पादन, क्वालिटी एश्योरेंस, कृषि से जुड़ी नई किस्में, ऑर्गेनिक खेती, टिशु कल्चर, मार्केटिंग आदि के लिए इच्छुक आवेदक ऑनलाइन अपना आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन करने के लिए फॉर्म एबिक की ईमेल आईडी ह्रुड्डद्बष्ष्द्धड्ड धड्डह्व्न्चद्दद्बड्डद्बद्य.ष्शद्व पर ईमेल के माध्यम से 25 अक्तुबर 2020 तक आवेदन करके,

डॉ. सीमा रानी

40 से अधिक स्टार्टअप को कर चुका है प्रोत्साहित

नोडल ऑफिसर ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य कृषि व कृषि से संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर चुका है और यह प्रतिवर्ष अपनी क्षमता को बढ़ा रहा है। एबिक सेंटर इन नए स्टार्टअप्स के लिए बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाता है। सेंटर की ओर से इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्निकल सपोर्ट, फाइनेंस, कानूनी जानकारी इत्यादि में हर तरह से अपना भरपूर योगदान देता है।

जॉब करने की बजाय जॉब देने वाले बनें युवा

अगर आपके पास ऐसा कोई आईडिया है जो कि राष्ट्र और समाज के लिए नए आयाम खोलने की क्षमता रखता है या स्टार्टअप आईडिया से रोजगार के अवसर खोले जा सकते हैं, तो यह आवेदन फॉर्म जरूर भरना चाहिए। अगर युवाओं की सोच जॉब करने की बजाय जॉब देने की और रोजगार के नए अवसर खड़े करने की हो जाएगी, तो भारत को विकसित और आत्मनिर्भर होने से कोई नहीं रोक सकता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.10.2020	--	--

आत्मनिर्भरता के लिए एबिक से जुड़ें : डॉ. सीमा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो इसके लिए आप चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड द्वारा संचालित एबिक सेंटर से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एबिक सेंटर ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्तुबर होगी। इसके लिए हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के उन्नतिशील किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रखने वाले युवा बुद्धिजीवियों से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र व उससे जुड़े अन्य कुछ और क्षेत्र हैं जैसे कि नर्सरी, मैन्युफैक्चरिंग, कृषि व्यापार एवं कृषि का बचाव, मशरूम फार्मिंग, बायो पेस्टिसाइड्स उत्पादन, क्वालिटी एश्योरेंस, कृषि से जुड़ी नई किस्में, ऑर्गेनिक खेती, टिशु कल्चर, मार्केटिंग आदि के लिए इच्छुक आवेदक ऑनलाइन अपना आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

40 से अधिक स्टार्टअप को कर चुका है प्रोत्साहित : नोडल ऑफिसर ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य कृषि व कृषि से संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर चुका है और यह प्रतिवर्ष अपनी क्षमता को बढ़ा रहा है। एबिक सेंटर इन नए स्टार्टअप्स के लिए बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाता है। सेंटर की ओर से इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्निकल सपोर्ट, फाइनेंस, कानूनी जानकारी इत्यादि में हर तरह से अपना भरपूर योगदान देता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**06.10.2020**	--	--

आत्मनिर्भरता के लिए एबिक से जुड़ें युवा : डॉ. सीमा रानी

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो इसके लिए आप चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड द्वारा संचालित एबिक सेंटर से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एबिक सेंटर ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्तूबर होगी। इसके लिए हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के उन्नतिशील किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरु करने की सोच रखने वाले युवा बुद्धिजीवियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र व उससे जुड़े अन्य कुछ और क्षेत्र हैं जैसे कि नर्सरी, मैन्युफैक्चरिंग, कृषि व्यापार एवं कृषि का बचाव, मशरुम फार्मिंग, बायो पेस्टिसाइड्स उत्पादन, क्वालिटी एश्योरेंस, कृषि से जुड़ी नई किस्में, ऑर्गेनिक खेती, टिशु कल्चर, मार्केटिंग आदि के लिए इच्छुक आवेदक ऑनलाइन अपना आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन करने के लिए फॉर्म एबिक की ईमेल आईडी **abicccshau@gmail.com** पर ईमेल के माध्यम से 25 अक्तूबर 2020 तक आवेदन करके, प्राप्त कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ दैनिक भास्कर ....

दिनांक ...06-10-2020... पृष्ठ संख्या.....02......कॉलम.....02-06.....

जीजेयू के यूजी कोर्सेज की तीसरी ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू

अब तक तीनों काउंसिलिंग को मिलाकर 670 स्टूडेंट्स को सीटें अलॉट, 8 संकाय के 98 स्टूडेंट्स को सीटें अलॉट

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने ग्रेजुएशन, डुअल डिग्री कोर्स के लिए सोमवार को तीसरी ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू की है। इसमें दूसरी बार सीट अलॉटमेंट लिस्ट जारी की गई। दूसरी काउंसिलिंग में बीएससी ऑनर्स इकोनॉमिक, बीएससी ऑनर्स साइकोलॉजी, बेचलर ऑफ फिजियोथेरेपी, बीएससी ऑनर्स कम्प्यूटर डाटा साइंस, ड्यूल डिग्री बीएससी कैमिस्ट्री, ड्यूल डिग्री बीएससी मैथेमैटिक्स, ड्यूल डिग्री बीएससी फिजिक्स, ड्यूल डिग्री बीएससी बायोटेक्नोलॉजी सहित आठ संकायों के 98 स्टूडेंट्स को तीसरी काउंसिलिंग में सीट अलॉट की गई। इससे पहले पहली काउंसिलिंग में 375 स्टूडेंट्स को सीट अलॉट की गई थी। सेकंड काउंसिलिंग में 197 स्टूडेंट्स को सीट अलॉट की गई। इस तरह कुल मिलाकर अब तक 670 स्टूडेंट्स को सीट अलॉट की जा चुकी है। जारी की गई लिस्ट के अनुसार फीस जमा करने की तिथि 6 से 7 सितम्बर तक होगी, तय समय पर फीस जमा न करवाने वाले स्टूडेंट्स को ओपन काउंसिलिंग में मौका मिल सकेगा।

थर्ड काउंसिलिंग में सब्जेक्ट वाइज अलॉट की गईं सीटें

▪ बीएससी ऑनर्स इकोनॉमिक्स	8
▪ बीएससी ऑनर्स साइकोलॉजी	10
▪ बेचलर ऑफ फिजियोथेरेपी	10
▪ बीएससी ऑनर्स कम्प्यूटर डाटा साइंस	9
▪ ड्यूल डिग्री बीएससी कैमिस्ट्री	14
▪ ड्यूल डिग्री बीएससी मैथेमैटिक्स	9
▪ ड्यूल डिग्री बीएससी फिजिक्स	14
▪ ड्यूल डिग्री बीएससी बायोटेक्नोलॉजी	24

ओपन काउंसिलिंग का शेड्यूल अभी तय नहीं: मुकेश अरोड़ा

इंफोमैटिक सेंटर जीजेयू के डायरेक्टर मुकेश अरोड़ा ने बताया कि साइकोलॉजी, फिजियोथेरेपी, इकोनॉमिक्स और कम्प्यूटर डाटा साइंस के जो स्टूडेंट्स थर्ड काउंसिलिंग तक फीस नहीं जमा करवा पाए हैं, उन्हें अब ओपन काउंसिलिंग में मौका मिलेगा। मगर अभी ओपन काउंसिलिंग का शेड्यूल नहीं फिक्स किया गया है।

यूजी एडमिशन : पहली मैरिट लिस्ट के लिए विद्यार्थी 8 तक भर सकेंगे फीस, सैकेंड मैरिट लिस्ट 10 को, फीस के लिए मिलेंगे केवल 2 दिन

हिसार| कॉलेजों में यूजी कोर्सिस के एडमिशन में पहली मैरिट लिस्ट के लिए फीस भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 8 अक्टूबर कर दी है। मैरिट लिस्ट जारी करते वक्त यह तिथि 5 अक्टूबर रखी थी। इसके बाद इसे 6 अक्टूबर किया था। फीस ऑनलाइन भरे जाने के कारण विद्यार्थियों को इसमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद अब इसकी तिथि बढ़ाकर 8 कर दी है। वहीं अब सैकेंड मैरिट लिस्ट अब 10 अक्टूबर को लगेगी। इसके बाद 10 से 12 अक्टूबर तक फीस भरी जा सकेगी। सोमवार को भी बहुत से विद्यार्थी फीस भरने की परेशानी के चलते कॉलेज परिसर पहुंचे। हालांकि डीएचई द्वारा उन्हें कॉलेज पहुंचने की इजाजत नहीं है। ऑनलाइन फीस में परेशानियों के चलते शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। शिक्षकों ने पत्र में कहा है कि कॉलेजों में ऑनलाइन फीस जमा करवाने में विद्यार्थी वर्ग को अनेक परेशनियों का सामना करना पड़ रहा है।

शोधार्थी और परा स्नातक छात्रों के लिए 15 से खुल सकती हैं लैब

हिसार| एचएयू और लुवास के शोधार्थी व पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए आगामी 15 अक्टूबर से प्रयोगशालाएं खुल सकती है। हालांकि दोनों विवि के प्रशासन को इस संबंध में निर्णय लेना है। प्रयोगशाला में प्रैक्टिस कराने को लेकर दोनों विवि में हेलपलाइन पर भी छात्र प्रतिदिन कॉल कर रहे हैं। दरअसल, कोरोना के चलते एचएयू और लुवास में छात्र एवं छात्राओं की पढ़ाई नहीं कराई जा रही है। ऑनलाइन ही पढ़ाई चल रही है। हालांकि ऑफिसियल कार्य कराएं जा रहे हैं। प्रयोगशालाएं भी तभी से बंद है। प्रयोगशाला बंद होने के कारण शोधार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। दोनों विवि के सूत्रों के अनुसार जल्द ही प्रयोगशाला में छात्रों को प्रैक्टिस कराई जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..06-10-2020.. पृष्ठ संख्या....02.... कॉलम....04....

परीक्षार्थी के शरीर का तापमान अधिक मिला तो दूसरे कमरे में होगी परीक्षा

हिसार | एचएयू प्रशासन ने 24 और 31 अक्टूबर को यूजी की प्रवेश परीक्षा को लेकर तैयारी पूरी करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने तैयारियों की समीक्षा की। कहा कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी परीक्षार्थी के शरीर का तापमान अधिक मिला तो उसे दूसरे कमरे में परीक्षा देनी होगी। विवि प्रशासन ने घोषणा की थी कि 24 को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने वालों की परीक्षा ली जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक 06-10-2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 7-8

उचित विधि नहीं अपनाने से किसानों को हो रहा नुकसान : डॉ. नरेंद्र कुमार

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में किसानों को जानकारी देते विशेषज्ञ। *संवाद*

मंडी आदमपुर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा रबी फसलों की उत्पादन तकनीक पर किसान गोष्ठी व किसान-वैज्ञानिक संवाद आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्र के संयोजक व जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र ने बताया कि उत्पादन की उचित विधि नहीं अपनाने से किसानों को काफी नुकसान हो रहा है।

किसानों से अनुरोध है कि किसान फसल उत्पादन की वैज्ञानिक विधि अपनाएं, अनावश्यक कीटनाशक, खरपतवार नाशक एवं रासायनिक उर्वरकों का उपयोग न करें। रबी फसलों जैसे गेहूं, सरसों, चना, जौ, जई व बरसीम आदि की अधिक पैदावार लेने के लिए उन्नत किस्मों का चयन करें, बीज का अच्छी तरीके से उपचार करें, समय पर बिजाई करें तथा संतुलित खादों का प्रयोग करें। उन्होंने सरसों की उन्नत किस्म आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 व बिजाई करने के साथ सरसों में तना गलन बीमारी के बचाव के लिए उचित बीजोपचार की पूर्ण जानकारी दी। इस दौरान डॉ. सत्यवीर ने बीजों की उन्नत किस्मों की जानकारी दी व किचन गार्डेनिंग अपनाने की सलाह दी। *संवाद*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक ....06-10-2020....पृष्ठ संख्या......04......कॉलम.....2-3.....

उत्पादन की उचित विधि नहीं अपनाने से हो रहा किसानों को नुक्सान : डॉ. नरेंद्र कुमार

कृषि विज्ञान केंद्र में उपस्थित किसानों को जानकारी देते डॉ. नरेंद्र कुमार।

मंडी आदमपुर, 5 अक्तूबर (भारद्वाज): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा रबी फसलों की उत्पादन तकनीक पर किसान गोष्ठी व किसान वैज्ञानिक संवाद आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्र के संयोजक व जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि उत्पादन की उचित विधि नहीं अपनाने पर किसानों को काफी नुक्सान हो रहा है।

उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि किसान फसल उत्पादन की वैज्ञानिक विधि अपनाएं, अनावश्यक कीटनाशक, खरपतवार नाशक एवं रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग न करें। रबी फसलों जैसे गेहूं, सरसों, चना, जौ, जई व बरसीम आदि की अधिक पैदावार लेने के लिए उन्नत किस्मों का चयन करें, बीज का अच्छी तरीके से उपचार करें, समय पर बिजाई करें तथा संतुलित खादों का प्रयोग करें। उन्होंने सरसों की उन्नत किस्म आर.एच. 725, आर.एच. 0749, आर.एच. 30 व बिजाई करने के साथ सरसों में तना गलन बीमारी के बचाव के लिए उचित बीजोपचार के अलावा अन्य उपायों की पूर्ण जानकारी दी। इस दौरान डॉ. सत्यवीर ने चना, गेहूं व जौ की उन्नत किस्मों की जानकारी दी व किचन गार्डेनिंग अपनाने की सलाह दी।